केदार पाण्डेय समाज कल्याण संघ, पश्चिम चम्पारण

वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष (2019–20)

केदार पाण्डेय समाज कल्याण संघ संस्था अधिनियम (21) 1860 के अन्तर्गत बिहार सरकार के निबंधन विभाग द्वारा निबंधित एक गैर सरकारी संगठन है। यह सामाजिक समस्याओं के समाधान हेतु हमेशा समर्पित भाव से प्रयासरत रहती है। संस्था वित्तीय वर्ष 2019–20 में निम्नलिखित ज्वंलत कार्यक्रमों को सम्पादित करने का प्रयास किया है:–

(1) **व्यसनियों का एकीकृत पुनर्वास केन्द्र :–** नशीले पदार्थ के व्यसन से देश, राज्य, जिला, समाज एवं परिवार को निजात दिलाने के लिए संस्था द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 15 शैया का व्यसनियों का एकीकृत पुनर्वास केन्द्र, बेतिया, पश्चिम चम्पारण (बिहार) में चलाया जा रहा है। संस्था के कार्यकर्त्ता गोष्ठी एवं सभा करके नशीले पदार्थ के व्यसन से होने वाले समस्याओं के बारे में लोगों को विस्तृत रुप से बताते हैं। संदेशात्मक पर्चा भी बाँटा जाता है। लोगों को इससे निजात पाने के विभिन्न उपायों से अवगत करवाते हैं। अभिभावकों को बताया जाता है कि वे अपने बच्चों के दिनचर्या पर ध्यान दें तथा यदि दिनचर्या में किसी प्रकार की तब्दीली दिखाई दे तो सतर्क हो जाऐं। उन्हें समझाने का प्रयास करें। साथ–ही–साथ हमारे संस्था के कार्यकर्ता से सहयोग लें। हम आपके हर समस्या के निजात के लिए हमेशा तत्पर हैं। इस वर्ष व्यसनियों का एकीकृत पुनर्वास केन्द्र में 181 नशीले पदार्थ के व्यसनियों का ईलाज किया गया है। साथ ही साथ समाज में जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया है जिससे इस समस्या से निजात पाया जा सके।

(2) **वृद्धों के कल्याणार्थ कार्यक्रम :–** वृद्धों के समस्या को सर्वोपरी मानकर उन्हें सही तरीके से जीवन जीने के लिए अग्रसर एवं सहयोग करना होगा क्योंकि वे हमारे धरोहर हैं। समाज एकल परिवार में सिमट गया है। वह पत्नी एवं बच्चों को परिवार मानकर अपने बुजुर्गों को दरकिनार कर दिया है। यही कारण है कि वृद्ध समस्याग्रस्त जीवन जीने को मजबूर हैं। वे भूल जाते हैं कि वे भी एक दिन वृद्ध होंगे। समाज में वृद्धों की स्थिति बहुत दयनीय है। वृद्धों के समस्या को ध्यान में रखकर संस्था द्वारा डा दिनेश मिश्रा के सहयोग से क्रमशः धुमनगर, बाघमबरपुर, पुजहा पटजिरवा, परसौनी (नौतन) में स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। जिससे 198 वृद्धों ने लाभ उठाया। संस्था द्वारा आवश्यकतानुसार दवा भी मुहैया करवाया गया। साथ ही साथ पौष्टिक नास्ता भी उपलब्ध करवाया गया।

(3) **व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम :–** व्यावसायिकरण के दौड़ में हम सबों का कर्तव्य है कि समाज के युवा वर्ग को ज्यादा से ज्यादा व्यावसायिक प्रशिक्षण की ओर अग्रसर किया जाए। वे स्वंय अपना रोजगार शुरू करें जिससे वे स्वंय भी आर्थिक रूप से सुदृढ हों तथा देश को आर्थिक रूप से आत्मर्निभर बनाने में सहभागी बनें। वर्तमान सरकार व्यावसायिक प्रशिक्षण पर ज्यादा ध्यान दे रही है। संस्था द्वारा सभी वर्गो के लिए एक व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र चलाया जा रहा है। इस वर्ष 23 युवा एवं युवतियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस केन्द्र में स्क्रिन प्रिंटिग, अगरबती निर्माण एवं ब्युटिशियन का प्रशिक्षण दिया जाता है। संस्था के कार्यकर्त्ता उन्हें आवश्यकतानुसार विभिन्न प्रकार के योजनाओं के बारे में बताते रहते हैं जिससे उनके आमदनी में बढोतरी हो सके। बेरोजगार के संख्या के अनुपात में सरकारी नौकरी नहीं है। अतः बेरोजगारी से निजात पाने के लिए हमें अन्य विकल्प पर ध्यान देना ही होगा।

(4) **शिक्षा कार्यक्रम** :– शिक्षा एक ऐसा धरोहर है जो कभी खत्म नहीं होता है। संस्था के कार्यकर्त्ताओं द्वारा समाज के लोगों को गोष्ठी एवं सभा के माध्यम से प्रेरित किया जाता है कि वे अपने बच्चे को विद्यालय जरूर भेजें तथा उनके पढ़ाई पर ध्यान दें। बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं। इसलिए देश के भविष्य को उज्जवल बनाने में समाज के हर वर्ग का सहयोग आवश्यक है। समाज को शिक्षित करने की दिशा में संस्था कृत संकल्प है। संस्था द्वारा प्राथमिक विद्यालय, बेलवा मोड़ के बच्चों के बीच शिक्षण सामग्री वितरित किया गया। आज महँगाई के समय में शिक्षा बहुत महँगा होता जा रहा है, किन्तु जितना संसाधन हो उसके अनुसार खर्च करके बच्चों को शिक्षित करने की जरुरत है। शिक्षित समाज ही देश को आगे बढाने में सहयोग कर सकता है।

(5) **जागरुकता कार्यक्रम** :–इस वर्ष निम्नलिखित जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। सभी जागरुकता कार्यक्रम वर्तमान समय के ज्वंलत समस्याओं पर केन्द्रित था –

क) **अन्तर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग एवं अवैध व्यापार निरोधक दिवस** (International Day against Drug Abuse Prevention and Illicit Trafficking) **26 जुन,2019** – कल्प तरू द्वारा एशियन कान्भेन्ट विद्यालय, बानुछापर, बेतिया के प्रांगण में एक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बेतिया के विभिन्न विद्यालय के छात्र छात्राओं, शिक्षकों ने भाग लिया। साथ ही साथ व्यसन से मुक्त व्यक्तियों तथा समाज के बुद्धिजीवियों ने भाग लिया। युवा वर्ग आज बहुत भयावह स्थिति से गुजर रहा है जिसपर ध्यान देना जरुरी हो गया है। वे किसी समस्या को झेल नहीं पा रहे है। बल्कि उससे निजात पाने के लिए मादक पदार्थ का सहारा लेने लगे हैं। उनके इस व्यवहार का फायदा समाज के असामाजिक तत्व उठाने लगे हैं। जिसका नतीजा है कि वे नशा के मकड़जाल में फँसते जा रहे हैं। हमें इस समस्या पर विचार करना चाहिए जिससे देश का भविष्य खराब न हो। शिविर में मादक पदार्थ के व्यसन से ग्रसित लोगों के लक्षण तथा नशीले पदार्थ के व्यसन छोड़ने के विभिन्न तरीकों को सविस्तार बताया गया। यदि इच्छा शक्ति मजबूत हो तो व्यसन से निजात पाया जा सकता है। हमें इस गम्भीर समस्या को हल्के में नहीं लेना है अन्यथा समय चुकने पर समस्या भयावह रुप धारण कर लेगा। व्यसन से मुक्त व्यक्तियों ने भी अपने अनुभव से लोगों को रुबरु करवाया। उन्होंने व्यसन को छोड़ने में होने वाले कठिनाइयों तथा संस्था के कार्यकर्त्ताओं के अथक सहयोग के बारे में विस्तार से बताया। उनके द्वारा एक नुक्कड़ नाटक की भी प्रस्तुति की गयी। पोस्टर प्रदर्शनी लगाया गया तथा पर्चा बाँटा गया।

(ख) **अपारम्परिक ऊर्जा स्त्रोत** – आज ऊर्जा के बिना किसी कार्य की कल्पना करना भी सोच से परे है। अपारम्परिक ऊर्जा की बात आते ही समझ में आने लगता है कि ऐसी ऊर्जा जो पारम्परिक ऊर्जा से अलग है। यानि जिस ऊर्जा के बारे में सभी भलीभाँति जानते हैं उस ऊर्जा से अलग ऊर्जा की बात। जिस प्रकार से ऊर्जा का खपत बढ़ रहा है उस हिसाब से ऊर्जा का उत्पादन बहुत कम हो रहा है। साथ ही साथ कोयला का भंडार भी सीमित है। इस परिस्थिति में हमें ऊर्जा के अन्य स्त्रोतों जैसे पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा, गोबर गैस, पनबिजली पर ध्यान देना होगा। पवन एवं सौर ऊर्जा पर ज्यादा ध्यान देने की जरुरत है। जिसमें सौर ऊर्जा सर्वोत्तम है जिसका खत्म होना असम्भव है तथा सबसे सुलभ भी है। लोगों को जागरुक करने के लिए शिविर का आयोजन क्रमशः नरकटियागंज बाजार, पखनाहा बाजार में किया गया। इसमें 223 लोगों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों ने भी अपने अनुभव से लोगों को रुबरु करवाया।

(ग) **एड्स** – एड्स दिवस के अवसर पर दिनांक 01 दिसम्बर, 2019 को संस्था द्वारा मझौलिया चीनी के पास एड्स जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 173 गणमान्य व्यक्तियों तथा समाजसेवियों ने भाग लिया तथा अपने–अपने विचारों को रखा। संस्था के कार्यकर्ता द्वारा विस्तृत रुप से इस रोग के बारे में बताया गया। यह ऐसी लाईलाज बीमारी है जिससे जागरूकता के द्वारा ही लड़ा जा सकता है। जिन कारकों से यह बीमारी फैलता है उन कारकों पर यदि ध्यान दिया जाय तो इस बीमारी से बचा जा सकता है। उपस्थित लोगों का सम्मिलित विचार था कि संस्था द्वारा चलाए जा रहे एड्स जागरूकता अभियान में भरपुर सहयोग करेंगे। लोगों के बीच संदेशात्मक पर्चा भी वितरित किया गया। शिविर स्थल पर एड्स विषय पर पोस्टर प्रदर्शनी भी लगायी गयी।

(घ) **वातावरण प्रदूषण** – दिनांक 5 जुन, 2019 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उच्च विद्यालय, पखनाहा में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 232 शिक्षक, छात्र, छात्रा, बुद्विजीवियों ने भाग लिया। उपस्थित शिक्षक, छात्र–छात्राओं, लोगों को पर्यावरण प्रदूषण के विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया गया। उन्हें प्रदूषण को कम करने के विभिन्न उपायों के बारे में विस्तार से बताया गया। उनसे अपील की गयी कि वे दस पेड़ जरूर लगावें। कल कारखानों से भी प्रदूषण बढ रहा है। उस पर मानकों के आघार पर रोक लगाने की जरुरत है। सरकारी रोक के साथ–साथ समाज के लोगों का भी कर्त्तव्य है कि वे भी इस समस्या पर गम्भीरता से विचार करें पर्यावरण प्रदूषण के कारण मौसम में परिवर्तन हो रहा है। गर्मी बढ रहा है। बेमौसम बरसात हो रहा है। इस अवसर पर चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिसमें बच्चों ने पर्यावरण प्रदूषण की समस्या को दर्शाते हुए चित्रांकन किया। अच्छे चित्रांकन में से तीन बच्चों को पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी को प्रमाणपत्र दिया गया।

(च) **जनसंख्या नियंत्रण** – देश के विभिन्न समस्याओं में प्रमुख समस्या जनसंख्या है जो सुरसा की तरह अपना मुँह फैलाते जा रहा है। वर्तमान समय में जनसंख्या विस्फोट बड़ी समस्या होती जा रही है। यदि इस पर ध्यान नहीं दिया गया तब वह दिन दूर नहीं जब हमें खाने को अन्न तथा रहने को घर नहीं मिलेगा। लोगों से अपील की गयी कि वे अपने परिवार को दो तक सीमित करने का प्रयास करें तथा अन्य को भी प्रेरित करें। इस शिविर का आयोजन नरकटियागंज बाजार में किया गया। जिसमें लगभग 133 लोगों ने भाग लिया।

संस्था उपरोक्त कार्यक्रमों के संचालन के साथ–साथ अन्य ज्वलंत समस्याओं के प्रति गहरी सोच रखती है। आवश्यकतानुसार अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से समस्या समाधान की ओर अग्रसर रहती है तथा भविष्य में भी रहेगी।